A-0425

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVK-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. नक्षत्रों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Q.2. तिथि एवं नक्षत्रों के संयोग से बनने वाले शुभाशुभ योगों का वर्णन कीजिए।

Q.3. संस्कार का परिचय देते हुए नामकरण तथा अन्नप्राशन संस्कार पर प्रकाश डालिए।

Q.4. वास्तुशान्ति विधान का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

Q.5. गृह प्रवेश के महत्व तथा स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

वरवरण तथा विवाहमुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. विवाह में शुभ नक्षत्र–योग–करण तिथियों का विचार का निरूपण कीजिए।

अथवा

गृहारम्भ का मुहूर्त एवं विधि का उल्लेख कीजिए।

Q.2. विवाह मुहूर्त में गोधूलि का क्या महत्व है।

P.T.O.

अथवा

मांगलिक से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

Q.3. ज्येष्ठा नक्षत्र का परिचय दीजिए।

अथवा

कर्मकाण्ड की प्रासंगिकता लिखिए।

Q.4. नित्यकर्म में प्रातःस्मरणीय मन्त्रों का उल्लेख कीजिए।

Q.5. पितृयज्ञ तथा देवयज्ञ का महत्व बताए।

Q.6. पुराणों का परिचय दीजिए।

Q.7. तिथियों का परिचय दीजिए।

अथवा

अक्षरारम्भ मुहूर्त का परिचय दीजिए।

Q.8. मूर्तिपूजा से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शिखा के महत्व का वर्णन कीजिए।

****